इन्क़िलाबी नज़र

आवाज़ ... आम आदमी की

लखनऊ, रविवार, 7 जून 2026

जो व्यक्ति भी विकास के लिए खड़ा है उसे हर एक रूढ़िवादी चीज की आलोचना करनी होगी, उसमें अविश्वास करना होगा तथा उसे चुनौती देनी होगी।
-भगत सिंह

वर्ष 18 अंक 275 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12+4

तापमान - अधिकतम 38.4°C (-1.3) न्यूनतम 28.0°C(+1.4) सेंसेक्स 74,243.434 (-116.66) निफ्टी 23,366.70 (-049.85) सोना 1,55,870 चांदी 2,70,000 मुद्रा - डालर 94.95 दिरहम 25.85 रियाल 25.32

साध्वियों ने सिखाए मेडिकल छात्रों को मानवीय दृष्टिकोण और नैतिकता के गुर

केवल चिकित्सा ही नहीं हर क्षेत्र में जरूरी है नैतिक दृष्टिकोण : साध्वी अम्बिका भारती

- अपनी कमजोरियां दूर कर खुद व दूसरों में जागृत करें प्रकाश : साध्वी ऋतु भारती
- एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एवं विवि में चिकित्सा क्षेत्र में मानवीय दृष्टिकोण और नैतिक अभ्यास पर हुई कार्यशाला

लखनऊ (ब्यूरो)। नैतिक दृष्टिकोण केवल चिकित्सा के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि हर क्षेत्र में जरूरी है। शॉर्टकट आपको आगे तो ले जा सकते है लेकिन नैतिक मूल्य और ईमानदारी आपको आत्म संतुष्टि प्रदान करते हैं। यह बात दिव्य गुरु के नाम से प्रसिद्ध आशुतोष महाराज के दिव्य ज्योति जागृति संस्थान से आईं साध्वी अम्बिका भारती ने कही। वे शनिवार को एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एवं विश्वविद्यालय में ह्यूमन एप्रोच एण्ड एथिकल प्रेक्टिस ऑफ मेडिसिन विषयक कार्यशाला में उपस्थित छात्रों को सम्बोधित कर रही थीं। इससे पहले कार्यशाला का आरम्भ एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जमाल मसूद ने करते हुए कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में मरीज सर्वप्रथम, कार्यदक्षता और बिना किसी भेदभाव के मरीज के साथ संवाद और गोपनीयता बरकरार रखना महत्वपूर्ण है। चिकित्सकों के लिए जरूरी है कि मरीजों से सकारात्मक संवाद कर उनकी भावनाओं को समझें। यह मरीजों की चिकित्सा में सहायक होगा। डॉ. मसूद ने दिव्य ज्योति जागृति संस्थान का छात्रों के इस संबंध में मार्गदर्शन के लिए आभार जताया।

कार्यशाला में उपस्थित छात्रों को सम्बोधित करते हुए साध्वी अम्बिका भारती ने छात्रों से मोबाइल के इस्तेमाल, जंक फूड, रील देखने, गाने सुनने आदि के बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि यह एक ट्रैप (जाल) है जिसके हम आदी हो रहे हैं। हर व्यक्ति अपनी आदत से मजबूर है। हमें सोचना चाहिए कि किसी बुरी आदत को छोड़ या कम कर हमें क्या लाभ होगा। उन्होंने कहा कि पहले हम खुद को जानें और आंख बंद कर तनाव की स्थिति याद कर उसमें जाएं और सोचें कि उस वक्त हमने क्या किया था। खुशी बाहर से नहीं मिलती बल्कि अंदर से होती है। साध्वी अम्बिका ने छात्रों में नैतिक मूल्यों के लिए एक चिकित्सक और तीन मेडिकल रिप्रजेंटेटिव (एमआर) के बीच ऑडियो वार्तालाप सुनाया, जिस के बाद उन्होंने छात्रों की प्रतिक्रिया ली। उन्होंने छात्रों से आंखें बंद कर अपने भीतर झांकने का प्रयास करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह हमें मजबूत बनाता है। पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से उन्होंने छात्रों को चिकित्सा सेवा में मानवीय दृष्टिकोण और नैतिक व्यवहार की प्रासंगिकता पर बल दिया।

कार्यशाला में उपस्थित छात्रों को सम्बोधित करते हुए दिव्य ज्योति जागृति संस्थान की लखनऊ शाखा संयोजिका साध्वी ऋतु भारती ने कहा कि आपके जीवन के मूल्य जीवन के महत्वपूर्ण बिन्दु हैं। उन्होंने कहा कि कोई आदत जो आपको पछताने पर मजबूर करे लत है। हमें अपने भीतर ऐसी लतों को पहचान उनसे बचाव करना है। इसके लिए उन्होंने नशा, मोबाइल, जंक फूड आदि का उदाहरण देते हुए छात्रों से एक छोटी गतिविधि के जरिए विस्तार से बताते हुए संयम रखने को कहा। उन्होंने कहा कि अपनी आंखें बंद करें और शांत मन से अपने भीतर झांकें, इससे हमें मजबूती मिलती है। साध्वी ऋतु ने कहा कि हमें अपनी कमजोरियों को पहचान उन्हें दूर कर खुद में प्रकाश जागृत करना है और दूसरों को भी प्रकाशमय करना है। कार्यशाला का समापन एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ. विनीता तिवारी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। डॉ. विनीता ने दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के संस्थापक आशुतोष महाराज की शिष्याओं साध्वी ऋतु भारती, साध्वी अम्बिका भारती और स्वयंसेवकों का आभार जताया। इसी के साथ उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के लिए एरा विवि प्रबंधन का भी धन्यवाद ज्ञापित किया। एरा मेडिकल कॉलेज के डीन एमेरेट्स प्रो. एम.एम.ए. फरीदी के दिशा-निर्देशन और प्रो. अनु चंद्रा की मौजूदगी में आयोजित कार्यशाला में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राएं व अन्य चिकित्सक शामिल थे। कार्यशाला का संचालन डॉ. शीराज रिजवी और संयोजन प्लेसमेण्ट सेल के मोहम्मद अजहरुद्दीन ने किया।